C

APS (1101) Com Hindi

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा सत्र 2022-23

कक्षा — XI

विषय — अनिवार्य हिन्दी

पूर्णांक : 70

समय : 3½ घण्टे

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत लिखे।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखे।

खण्ड - अ

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1×7=7

ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में घर बना लेती है, वह अपने अभावों से दु:खी नहीं होता है बल्कि उन वस्तुओं से दु:ख उठाता है जो दूसरों के पास है वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते रहते हैं। देश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या ? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी पड़ती है।

एक उपवन को पाकर भगवान को धन्यवाद देते हुए उसका आनन्द नहीं लेना और बराबर इस चिन्ता में निमग्न रहना कि इससे भी बड़ा उपवन क्यों नहीं मिला। एक ऐसा दोष है जिससे ईर्ष्यालु व्यक्ति का चरित्र और भी भयंकर हो उठता है। अपने अभाव पर दिन रात सोचते-सोचते वह सृष्टि की प्रक्रिया को भूलकर विनाश में लग जाता है और अपनी उन्नति के लिए उद्यम करना छोड़कर वह दूसरों को हानि पहुँचाने को ही अपना श्रेष्ठ कर्त्तव्य समझने लगता है।

(i) ईर्ष्यालु व्यक्ति किस आदत के कारण दु:ख उठाता है ?
   (अ) अपने अभवों को देखकर (ब) दूसरों की निन्दा करके
   (स) दूसरों की वस्तुओं को देखकर (द) अपनी वस्तुओं को देखकर

(ii) अपनी तुलना दूसरों के साथ कौन करता है ?
   (अ) मनुष्य (ब) ईर्ष्यालु मनुष्य
   (स) लेखक (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) ईर्ष्यालु अपनी पास की वस्तुओं से आनन्द नहीं ले पाता है, क्योंकि–
   (अ) उसकी लालसा और अधिक पाने की होती है।
   (ब) उसके पास वस्तुओं का अभाव होता है।
   (स) वह दिन रात परिश्रम करता है।
   (द) वह चिन्तामग्न बना रहता है।

(iv) अपने अभावों के बारे में निरन्तर सोचने में ईर्ष्यालु व्यक्ति–
   (अ) आनन्दित होता है (ब) उद्यम प्रारम्भ करता है
   (स) दु:ख को भूल जाता है (द) दूसरों के विनाश में लग जाता

(v) अपने अभाव पर दिन-रात सोचते-सोचते वह किसकी प्रक्रिया को भूलक विनाश में लग जाता है ?
   (अ) उन्नति (ब) सृष्टि (स) अभाव (द) श्रेष्ठ

P.T.O.

(vi) 'ईर्ष्यालु' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय बताइये।
(vii) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1×7=7

अंबर बने सुखों की चादर, धरती बने बिछौना।
मिट्टी में सोना उपजाओ, इस मिट्टी से सोना।।
यह मिट्टी जगत की जननी, इसको करो प्रणाम।
कर्मयोग के साधन बनना ही, सेवा का काम।।
हाली उठा हाथ से हल को, बीज प्रेमे के बोना।
चना, मटर, जौ, धान, बाजरा और गेहूँ की बाली।।
मिट्टी से सोना बन जाती, भर-भर देती थाली।
दूध-दही पी-पी मुस्काए, मेरा श्याम सलोना।।
हीरा, मोती, लाल बहादुर, कह-कह तुम्हें पुकारें।
खुशहाली हर घर में लाए, बिगड़ी दशा सुधारें।।

(i) अंबर किसकी चादर बने ?
(अ) दु:खों की (ब) दास्तानों की
(स) भावनाओं की (द) सुखों की

(ii) यह मिट्टी किसकी जननी है ?
(अ) जगत (ब) पशुओं (स) मनुष्यों (द) देवताओं

(iii) कवि किसके बीज बोना चाहता है ?
(अ) चना (ब) मटर (स) भक्ति (द) प्रेम

(iv) कवि किस प्रकार के साधक बनने के लिए आह्वान कर रहा है ?
(अ) हठ योग (ब) भक्ति योग (स) ज्ञान योग (द) कर्म योग

(v) श्याम सलोना क्या पीकर मुस्कुराता है ?
(अ) जल (ब) दूध-दही (स) केवल दूध (द) केवल दही

(vi) "अंबर" का शाब्दिक अर्थ बताइये।

(vii) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

खण्ड - 'ब'

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 3

हम तौ एक-एक करि जांना।
दोइ कहै तिनहीं कौं दो जग जिन नाहिंन पहिचांनां।।
एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समांनां।
एकै खाक गढे सब भांड़ै एकै कोहरा सांना।।
जैसी बाढी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूंही व्यापक धरै सरूपै सोई।।
भाया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांना।
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांना।।

अथवा

बिका दिया घर द्वार
महाजन ने न ब्याज की कौड़ी छोड़ी,
रह-रह आँखों में चुभती वह
कुर्क हुई बरधों की जोड़ी।

उजरी उसके सिवा किसे कब
पास दुहाने आने देती ?
अह आँखों में नाचा करती
उजड़ गई जो सुख की खेती।

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 3

आप ईमानदार बनने चले है। घर में चाहे अंधेरा हो, मस्जिद में अवश्य दीया जलाएगें। खेद ऐसी समझ पर! पढ़ना लिखना सब अकारथ गया। इसके थोड़े ही दिनों बाद, जब मुंशी वंशीधर इस दुरवस्था में घर पहुँचे और बूढ़े पिताजी ने समाचार सुना तो सिर पीट लिया। बोले-जी चाहता है कि तुम्हारा और अपना सिर फोड लूं। बहुत देर तक पछता-पछताकर हाथ मलते रहे। क्रोध में कुछ कठोर बातें भी कही और यदि वंशीधर वहाँ से टल न जाते तो अवश्य ही वह क्रोध विकट रूप धारण करता। वृद्धा माता को भी दु:ख हुआ। जगन्नाथ और रामेश्वर यात्रा की कामनाएं मिट्टी में मिल गई। पन्नी ने तो कई दिनों तक सीधे मुंह से बात भी नहीं की।

अथवा

बिछुडन समय बड़ा करूणोत्पादक होता है। आपको बिछड़ते देखकर आज हृदय में बड़ा दुख है। माइ लार्ड! आपके दूसरी बार इस देश में आने से भारतवासी किसी प्रकार प्रसन्न न थे। वे यही चाहते थे कि आप फिर न आवें। पर आप आए और उससे यहां के लोग बहुत ही दु:खित हुए। वे दिन-रात यही मनाते थे कि जल्द श्रीमान् यहां से पधारें। पर कहो! आज आपके जाने पर हर्ष की जगह विषाद होता है। इसी से जाना कि बिछुड़न-समय बड़ा करूणोत्पादक होता है, बड़ा पवित्र, बड़ा निर्मल और बड़ा कोमल होता है। वैर-भाव छूटकर शांत रस का आविर्भाव उस समय होता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। 1×6=6

(i) ''गलता लोहा'' ..... द्वारा रचित कहानी है।
(शेखर जोशी / मन्नू भंडारी)

(ii) मियां नसीरूद्दीन शब्दचित्र ..... नामक संग्रह से लिया गया है।
(हम हशमत/शब्दों के आलोक में)

(iii) पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ..... तक चला।
(ढाई साल / डेढ साल)

(iv) मीरां के गुरु का नाम ..... है। (रैदास / रामानन्द)

(v) ''वे आंखे'' पंतजी के ..... दौर की कविता है।
(प्रगतिशील / पूंजीवाद)

(vi) एक कंठ विषपायी गीतिनाट्य ..... द्वारा रचित है।
(दुष्यन्त कुमार/सुमित्रा नन्द पंत)

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए। 1×6=6

(i) 'अपू के साथ ढाई-साल' नामक संस्करण में किस फिल्म की घटनाओं का वर्णन किया गया है ?

(ii) बंग विभाजन की योजना किसने बनायी थी ?

(iii) स्मीति के बौद्ध विहारों को किसने लूटा था ?

(iv) सुमित्रानन्द पंत ने ''वे आँखे'' में संदेशवाहक किसे बनाया है ?

P.T.O.

(v) ''पथिक'' कविता किस काव्य से संकलित है ?
(vi) मीरां की भक्ति किस प्रकार की मानी जाती है?

7. धनराम को मोहन के किस व्यवहार पर आश्चर्य होता है और क्यों ? 2
8. ''नमक का दरोगा'' कहानी का मूल प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। 2
9. कृष्णा सोबती अथवा सुमित्रानन्द पंत में से किन्हीं एक का साहित्यिक परिचय दीजिए। 2
10. मियाँ नसीरूद्दीन के चरित्र की विशेषताएँ स्पष्ट करे। 4

अथवा

संदेश ग्रहण करने और भेजने में असमर्थ होने पर एक अनपढ़ लड़की को किस वेदना और विपत्ति को भोगना पड़ता है? अपनी कल्पना से लिखिए।

खण्ड - स

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए। 1×4=4
    (i) लय कितने प्रकार की होती है ? लिखिए।
    (ii) रेगिस्तान में वर्षा को मापने के लिए किस शब्द का उपयोग होता है ?
    (iii) लेखिका बेबी हालदार को अपनी माँ की याद क्यों आई ?
    (iv) लता मंगेशकर किसकी पुत्री थी ?
12. किराए के मकान में रहते हुए बेबी हालदार चिन्तित क्यों थी ? 2
13. राजस्थान में कुंई किसे कहते हैं ? इसकी गहराई और व्यास तथा सामान्य कुंओं की गहराई और व्यास में क्या अन्तर होता है ? 2
14. 'चित्र पर संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए'—अक्सर यह आरोप लगाया जाता रहा है। इस सन्दर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें। 4

अथवा

राजस्थान में मिलने वाले पानी के तीनों रूपों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - द

15. विद्यालय में आयोजित खेल-कूद प्रतियोगिताओं पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। 2
16. टी.वी. के बढ़ते प्रभाव एवं इससे फैलती अपसंस्कृति पर एक फीचर तैयार कीजिए। 2
17. जिलाधीश जालोर की ओर से स्वास्थ्य सचिव, राजस्थान सरकार, जयपुर को निर्धारित प्रारूप में एक कार्यालय पत्र लिखिए जिसमें गायों में फैली लम्पी बीमारी से राहत दिलवाने के लिए राजधानी के विशेष चिकित्सकों का एक दल भेजने के लिए निवेदन कीजिए। 5
18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। (शब्द सीमा 300) 7
    (i) बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ।
    (ii) कोरोना वायरस - 21 वीं सदी की महामारी
    (iii) स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत
    (iv) विद्यार्थी जीवन में इन्टरनेट की भूमिका

❑❑❑